



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 भाद्र 1939 (श0)
(सं0 पटना 869) पटना, बुधवार, 20 सितम्बर 2017

गव्य विकास निदेशालय

कार्यालय आदेश

11 अगस्त 2017

सं० नि०-08)-01/2012-1196—निगरानी थाना कांड संख्या — 091/2011 दिनांक 28.12.2011 धारा — 7/13 (2) सह पठित धारा —13 (1)बी० ब्र०नि० अधि० 1988 के प्राथमिकी अभ्युक्त श्री संत ओम प्रकाश, डेरी फिल्ड ऑफिसर , जिला गव्य विकास कार्यालय, मधुबनी जिन्हें निगरानी धावादल द्वारा रिश्त लेते पकड़े जाने के आरोप में दिनांक 27.12.2011 को न्यायिक हिरासत में लिया गया है, को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 2005 के नियम — 9 की कंडिका (1) के उपकंडिका (ग) के आलोक में न्यायिक हिरासत में लिए जाने की तिथि 28.12.2011 के प्रभाव से गव्य विकास निदेशालय, बिहार, पटना के आदेश संख्या —01 सहपठित ज्ञापांक —12 दिनांक 05.01.2012 द्वारा निलम्बित किया गया ।

माननीय उच्च न्यायालय , बिहार, पटना द्वारा दिनांक 24.04.2012 को पारित आदेश के आलोक में दिनांक 26.04.12 को जमानत पर न्यायिक हिरासत से रिहा होने के पश्चात् श्री संत ओम प्रकाश ने दिनांक 27.04.2012 पूर्वाह्न को जिला गव्य विकास कार्यालय, मधुबनी में योगदान समर्पित किया ।

समीक्षोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम — 9 की कंडिका (3)(1) उपनियम (2) में निहित प्रावधान के आलोक में योगदान की तिथि दिनांक 27.04.2012 के प्रभाव से श्री प्रकाश को गव्य विकास निदेशालय, बिहार, पटना के आदेश संख्या —34 सहपठित ज्ञापांक —731 दिनांक 30.05.2012 द्वारा निलम्बन से मुक्त किया गया एवं योगदान स्वीकृत किया गया एवं अगले आदेश तक के लिए क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, गव्य विकास, मुजफ्फरपुर कार्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया ।

2. गव्य विकास निदेशालय, बिहार, पटना के पत्रांक 1046 दिनांक 14.08.2013 द्वारा रिश्त लेने एवं कार्यालय से अनुपस्थित रहने के संबंध में स्पष्टीकरण की माँग की गई। श्री प्रकाश द्वारा दिनांक 19.08.2013 को अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया गया जिसे असंतोषप्रद पाया गया । अतः श्री संत ओम प्रकाश, डेरी फिल्ड ऑफिसर, जिला गव्य विकास कार्यालय, मधुबनी

सम्प्रति प्रतिनियुक्त – क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर के विरुद्ध परिशिष्ट “क” में उल्लेखित आरोप प्रथम द्रष्टया प्रमाणित पाये जाने के फलस्वरूप बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-16 निहित प्रावधान के अनुसार निदेशालय के पत्रांक 1219 दिनांक 17.09.2013 द्वारा विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया।

3. तत्कालीन संयुक्त निदेशक (गव्य), गव्य विकास निदेशालय, बिहार, पटना –सह– जॉच पदाधिकारी का गैर सरकारी प्रेषण संख्या– 10 दिनांक 29.01.2014 द्वारा जॉच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसके अनुसार प्रथम आरोप रिश्त लेते हुए पकड़े जाने संबंधी आरोप प्रमाणित पाया गया। फलतः श्री संत ओम प्रकाश, डेरी फिल्ड ऑफिसर, जिला गव्य विकास कार्यालय, मधुबनी सम्प्रति– जिला गव्य विकास कार्यालय, सिवान को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम – 9 (1) (ग) एवं नियम-9 (3) (II) के उपबंधानुसार तात्कालिक प्रभाव से निदेशालय के पत्रांक 173 दिनांक 10.02.2014 द्वारा अगले आदेश तक के लिए निलंबित किया गया।

4. प्राप्त जॉच प्रतिवेदन के पश्चात श्री प्रकाश से द्वितीय कारण पृच्छा माँगा गया एवं नियमानुसार अन्य प्रक्रिया अपनाते हुए अंततः श्री प्रकाश को दोषी पाये जाने पर तत्कालीन निदेशक, गव्य विकास निदेशालय, बिहार, पटना के कार्यालय आदेश संख्या-10 सहपठित ज्ञापांक- 314 दिनांक 22.02.2014 द्वारा श्री प्रकाश को बर्खास्त कर दिया गया।

5. माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर उक्त मामलों से संबंधित CWJC NO-7245/2014 के क्रम में LPA NO -691/2016 में दिनांक 09.08.2016 को पारित न्यायादेश के आलोक में श्री संत ओम प्रकाश के बर्खास्तगी आदेश को निरस्त कर उन्हें बर्खास्तगी आदेश के पूर्व निर्गत निलम्बन आदेश के अनुसार निलम्बित रखते हुए निदेशालय के संकल्प सहपठित ज्ञापांक-1255 दिनांक 29.08.2016 द्वारा पुनः विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया।

6. निलंबन अवधि में श्री संत ओम प्रकाश का पदस्थापन जिला गव्य विकास कार्यालय, सीवान एवं मुख्यालय– क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर निर्धारित किया गया।

7. संचालन पदाधिकारी द्वारा दिनांक 27.04.2017 को जॉच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसके अनुसार श्री प्रकाश के विरुद्ध लगे तीन आरोपों में से दो आरोप (आरोप संख्या-01 एवं 03) प्रमाणित पाये गये।

8. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन की प्रति देते हुए निदेशालय के पत्रांक-703 दिनांक 09.05.2017 द्वारा श्री प्रकाश को 15 (पन्द्रह) दिनों का समय देते हुए द्वितीय कारण पृच्छा पूछा गया।

9. श्री संत ओम प्रकाश (निलंबित), डेरी फिल्ड ऑफिसर, जिला गव्य विकास कार्यालय, सिवान, मुख्यालय– क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा दिनांक 29.05.2017 को द्वितीय कारण पृच्छा समर्पित किया गया एवं विहित प्रक्रिया के तहत सांगोपांग विचार करते हुए प्रमाणित पाये गये उपर्युक्त आरोप के आलोक में श्री संत ओम प्रकाश (निलंबित), डेरी फिल्ड ऑफिसर जिनका जन्म तिथि 04.08.1964, सेवा प्रथम नियुक्ति तिथि 09.03.1992, सेवा निवृत्ति की तिथि 31.08.2024 को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम- 14 (XI) के तहत निम्नलिखित निर्णय लिया गया है :-

- (i) श्री संत ओम प्रकाश (निलंबित), डेरी फिल्ड ऑफिसर, जिला गव्य विकास कार्यालय, सिवान, मुख्यालय– क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर को सरकारी सेवा से बर्खास्त किया जाता है। इस आदेश के निर्गमनोपरांत इनका विभाग में ग्रहणाधिकार नहीं रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।
- (ii) श्री संत ओम प्रकाश के निलंबन अवधि के जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान निलंबन अवधि में निर्धारित मुख्यालय (क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर) के उपस्थिति प्रतिवेदन के आलोक में जिला गव्य विकास कार्यालय, सिवान द्वारा किया जायेगा।

10. प्रस्ताव में सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इसकी प्रतियों सभी संबंधित पदाधिकारियों/प्राधिकार को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय।

बर्खास्त किए जाने वाले कर्मचारी का संक्षिप्त परिचय :-

नाम :- श्री संत ओम प्रकाश (निलम्बित), डेरी फिल्ड ऑफिसर, तत्कालीन जिला गव्य विकास कार्यालय, सिवान मुख्यालय - क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, मुजफ्फरपुर।

जन्म तिथि :- 04.08.1964

पिता का नाम :- स्व० साधो प्रसाद

स्थायी पता :- ग्राम- टेले बकौर, पो०-पैठना, थाना-इस्लामपुर, जिला नालन्दा, बिहार।

विभाग में योगदान की तिथि :- 09.03.1992

वेतनमान :- वेतन बैंड 9300-34,800/- ग्रेड वेतन- 4600/-

आदेश से,
अजय कुमार झा,
निदेशक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण) 869-571+100-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>